# ISWK SHARING KNOWLEDGE

## Class - VI

## Subject- Hindi Second Language

## Topic- नादान दोस्त
## ( कहानी )

- Done By- Chitra

©ISWK

# पाठ – नादान दोस्त ( कहानी )

लेखक – मुंशी प्रेमचंद

पाठ परिचय (Introduction) - नादान दोस्त हिंदी के प्रसिद्ध कहानीकार मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखी एक मार्मिक कहानी है | जिसमें दो मासूम बच्चे केशव और श्यामा चिड़िया के अंडों को बचाने की कोशिश करते हैं लेकिन नादानी में उन अंडों को नष्ट कर देते हैं |

इस कहानी में बच्चों द्वारा बचपन में की गई शरारतों का वर्णन किया गया हैं |

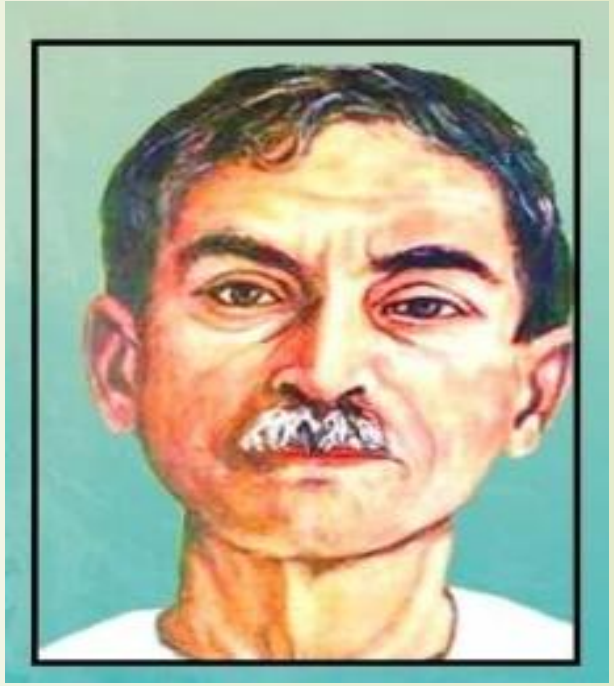

**श्यामा**

**केशव**

हिंदी भाषा के सर्वाधिक लोकप्रिय कहानीकार

# कहानी का सार ( Summary )

केशव और श्यामा भाई-बहन हैं और वे दोनों छोटे हैं। उनके घर के कार्निस पर चिड़िया ने अंडे दिए थे। दोनों बच्चे चिड़ा-चिड़िया को वहाँ आते-जाते देखा करते। सुबह उठते ही दोनों बच्चे खाना-पीना भूलकर कार्निस के सामने पहुँच जाते | दोनों के दिल में तरह-तरह के सवाल उठते जैसे कि अंडे कितने बड़े होंगे? कितने होंगें ? अंडे कैसे होंगे ? उनमें से बच्चे कैसे निकलेंगे ? चिड़िया उन अंडों की देखभाल कैसे करेगी ? आदि | माता-पिता के व्यस्त होने के कारण दोनों आपस में ही सवाल-जवाब करके अपने दिल को तसल्ली दे लिया करते थे |

चिड़िया के बच्चे भूख के मारे मर जाएँगे यह सोचकर दोनों घबरा गए| दोनों ने चिड़िया और अंडों के लिए पानी और चावल रखने की योजना बनाईं । उन्होंने यह भी सोचा कि वे अंडों के ऊपर छाया करेंगे ताकि अंडों को धूप न लगे और उन्हें आराम मिले।

दोनों बच्चे चाव से काम करने लगे | श्यामा चावल लाई और केशव ने प्याली साफ करके उसमें पानी डाला। अब दोंनों ने सोचा कि अंडों के ऊपर छाया कैसे करें ? चाँदनी के लिए कपड़ा कहाँ से लाए ? बगैर छड़ियों के कपड़ा कैसे ठहरेगा और छड़ियाँ कैसे खड़ी होंगी ? केशव इसी उधेड़बुन में था और उसने यह मुश्किल भी हल कर दी | केशव ने कूड़ा फेंकने वाली टोकरी श्यामा से मंगवाई | उसने टोकरी को एक टहनी से टिकाकर कहा कि ऐसे ही घोंसले पर छाया कर दूँगा | तब कैसे धूप जाएगी ?

श्यामा ने दिल में सोचा, भइया कितने चालक हैं !

एक दिन जब बाबूजी दफ़्तर गए थे तब माँ के सो जाने पर वे दरवाज़े की सिटकनी खोलकर बाहर निकल आए तथा अंडों की सुरक्षा की तैयारी करने लगे। केशव कमरे से स्टूल उठा लाया | उसने स्टूल पर खड़े होकर जैसे ही कार्निस पर हाथ रखा, वैसे ही दोनों चिड़ियाँ उड़ गईं | केशव ने देखा कि कार्निस पर तिनके बिछे हैं और उन पर तीन अंडे पड़े हैं।

श्यामा ने भी अंडों को देखना चाहा तो केशव ने उससे कहा कि पहले चिथड़े ले आ, बेचारे अंडे तिनको पर पड़े हैं। श्यामा पुरानी धोती फाड़ कर कपड़ा ले आई। केशव ने झुककर कपड़ा ले लिया और उसकी कई तह करके उसने एक गद्दी बनाई | केशव ने गद्दी को तिनको पर बिछाकर तीनों अंडे धीरे से उस पर रख दिए । श्यामा भी अंडों को देखना चाहती थी परंतु केशव ने कहा पहले टोकरी लाओ इनको छाया कर दूँ, फिर उसने दाना और पानी की प्याली मंगवाई। केशव ने दोनों चीजें टोकरी के नीचे रख दीं और नीचे उतर आया | परंतु गिर जाने के डर से उसने श्यामा को स्टूल पर चढ़ने नहीं दिया और श्यामा को अंडे नहीं दिखाए । उसने कहा अब अंडे बड़े आराम से हैं | जब बच्चे निकलेंगे, तो उनको पालेंगे |

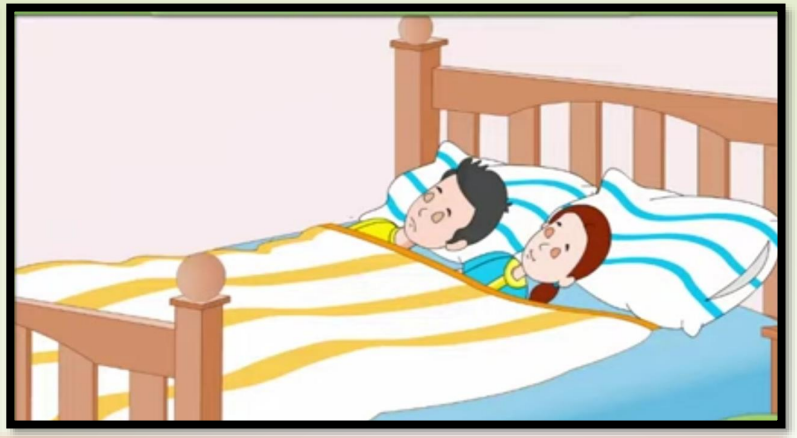

दोनों चिड़ियाँ कार्निस पर आती थीं और बगैर बैठे ही उड़ जाती थीं । केशव को लगा कि उनसे डर कर चिड़ियाँ कार्निस पर नहीं आ रहीं | वह स्टूल उठाकर कमरे में रख आया |

अंडे न दिखाने के कारण श्यामा ने माँ से उसकी शिकायत करने की धमकी दी । तभी माँ ने दरवाज़ा खोलकर उनसे पूछा कि वे दोनों बाहर कैसे निकले ? किसने किवाड़ खोला ? किंतु किसी ने कोई उत्तर नहीं दिया।श्यामा को डर लगा कि भइया पिट जाएँगे | केशव भी डर रहा था कि श्यामा माँ से उसकी शिकायत न कर दे क्योंकि उसने श्यामा को अंडे नहीं दिखाए थे | माँ ने डाँट-डपटकर उन्हें सुला दिया और दोंनों को नींद आ गई |

चार बजे जब श्यामा की आँख खुली तो वह कार्निस की ओर भागी और ऊपर की तरफ़ देखने लगी | वहाँ कुछ नहीं था। जब उसने नीचे देखा तो वह दौड़ी – दौड़ी केशव को बुलाकर लाई |

जब केशव ने देखा कि तीनों अंडे नीचे टूटे पड़े हैं और उनसे कोई चूने की-सी चीज बाहर निकल आई है। पानी की प्याली भी एक तरफ़ टूटी पड़ी है तो उसके चेहरे का रंग उड़ गया | श्यामा ने पूछा, बच्चे कहाँ उड़ गए भइया ? तब केशव ने कहा कि अंडे फूट गए |

माँ  हाथ में सोटी लिए आई और पूछा कि तुम दोनों यहाँ धूप में क्या कर रहे हो ? श्यामा ने माँ से कहा कि चिड़िया के अंडे टूटे हुए हैं। माँ ने टूटे हुए अंडों को देखा और गुस्से से बोली तुम लोगों ने अंडों को छुआ होगा। श्यामा को लगा कि भइया ने अंडों को अच्छे से नहीं रखा और वे टूट गए। इसकी सज़ा उन्हें मिलनी चाहिए। उसने माँ से कह दिया कि केशव ने अंडों को छेड़ा था । माँ के डाँटने पर दोनों एक दूसरे को दोषी ठहराने लगे।

माँ ने केशव से कहा कि तू इतना बड़ा हो गया पर तुझे इतना नहीं मालूम कि छूने से अंडे गंदे हो जाते हैं, फिर चिड़िया उन्हें नहीं सेती।

केशव रोनी सूरत बना कर बोला कि मैंने तो सिर्फ़ अंडों को गद्दी पर रखा था। उसकी बात सुनकर माँ को हँसी आ गई।

केशव को कई दिनों तक अपनी गलती पर अफ़सोस होता रहा कि अंडों की हिफ़ाज़त के चक्कर में उसने उनका सत्यानाश कर डाला। इसे याद कर वह कभी-कभी रो भी पड़ता था। दोनों चिड़ियाँ फिर वहाँ कभी दिखाई नहीं दीं ।

# चित्र द्वारा कहानी का सार

1

# 2

3

# शिक्षा (सीख)

यह कहानी हमें सीख देती है कि किसी भी कार्य को करने से पहले हमें यह सोचना चाहिए कि जो काम हम कर रहे हैं, वह काम सही है या नहीं।

केशव और श्यामा ने चिड़िया के अंडों के लिए जो भी किया यदि वे अपने माता-पिता से एक बार पूछ लेते, तो शायद चिड़िया के अंडे न टूटते और वे चिड़िया के बच्चों को देख पाते।

# शब्दार्थ ( Word Meaning )

1 कार्निस – दीवार के ऊपर का आगे बढ़ा हुआ भाग
A decorative border above the window
2 सुध – होश – Sense
3 तसल्ली – दिलासा – Satisfaction
4 गर्व – घमंड – Proud
5 पेचीदा – मुश्किल – Difficult, Hard
6 जिज्ञासा – जानने की इच्छा – Eager to know
7 अधीर – बेचैन – Restless
8 अनुमान – अंदाज़ा – Idea
9 प्रस्ताव – सुझाव – Suggestion
10 स्वीकृत करना – मंजूर होना – Accept
11 चाव – शौक – Interest
12 आँख बचाकर – नज़रों से बचकर – Sneaked (to hide)
13 उधेड़बुन – सोच विचार – Lost in thoughts, to think
14 हल करना – सुलझाना – Solving the problem
15 सूराख – छेद – A Hole
16 हिकमत – उपाय, युक्ति – Plan
17 हिफ़ाज़त – रक्षा – security, Safety
18 चिथड़े – फटे पुराने कपड़े – Rag, Old cloths
19 चटनी कर डालना – खूब पीटना – Beating hard
20 यकायक – एकदम – Suddenly
21 संयोग से – इत्तफ़ाक से – By chance
22 उल्टे पाँव दौड़ना – देखते ही दौड़ना – Returning back immediately
23 चेहरे का रंग उड़ना – घबरा जाना – Getting scared
24 उजला – साफ़ – Very clear
25 सहमी हुई- घबराई हुई – Afraid
26 सोटी – डंडा – Wooden stick
27 भीगी बिल्ली बना – डरा हुआ – Scared
28 थामना – सहारा देना – To Help
29 जोग – प्रयास – Try
30 सत्यानाश करना – बरबाद कर डालना – Spoiling everything

# अति लघु प्रश्न :-

प्रश्न 1. चिड़िया ने अंडे कहाँ दिए थे ?

उत्तर= चिड़िया ने अंडे कार्निस पर दिए थे |

प्रश्न 2. बच्चों के मन में क्या जिज्ञासा थी ?

उत्तर= बच्चों के मन में अंडों को देखने की जिज्ञासा थी |

प्रश्न **3.** केशव ने श्यामा को क्या लाने को कहा ?

उत्तर= केशव ने श्यामा को कूड़ा फेंकने वाली टोकरी लाने को कहा।

प्रश्न 4. श्यामा की नींद कब खुली ?

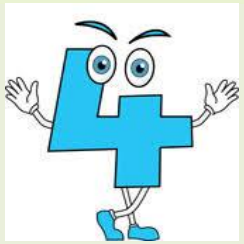

उत्तर= श्यामा की नींद चार बजे खुली।

प्रश्न 5. चिड़िया ने कितने अंडे दिए थे ?

उत्तर= चिड़िया ने तीन अंडे दिए थे।

प्रश्न - 6 - केशव और श्यामा सवेरे-सवेरे क्या देखा करते थे ?

उत्तर- केशव और श्यामा सवेरे-सवेरे चिड़ा और चिड़िया को देखा करते थे ।

प्रश्न 7 - बच्चे अम्मा जी को बहलाने के लिए क्या कर रहे थे ?

उत्तर - बच्चे अम्मा जी को बहलाने के लिए सोने का बहाना कर रहे थे।

प्रश्न 8 - बच्चों ने सिटकनी धीरे से क्यों खोली ?

उत्तर - बच्चों ने सिटकनी धीरे से अम्मा जी के जागने के भय से खोली।

प्रश्न 9 - केशव को श्यामा पर विश्वास क्यों नहीं रह गया था ?

उत्तर - केशव को श्यामा पर विश्वास अंडे ना दिखाने के कारण नहीं रह गया था।

प्रश्न 10 - अम्मा जी को हँसी क्यों आई थी ?

उत्तर - अम्मा जी को हँसी केशव का भोलापन देखकर आई थी।

प्रश्न 11 - केशव को अपनी किस गलती पर अफ़सोस होता रहा ?

उत्तर - केशव को अंडे खराब होने की गलती पर अफ़सोस होता रहा ।

प्रश्न 12 - केशव अंडों के साथ क्या करना चाहता था ?

उत्तर - केशव अंडों की सुरक्षा करना चाहता था ।

# लघु प्रश्न :-

**प्रश्न 1. अंडों के बारे में केशव और श्यामा के मन में किस तरह के सवाल उठते थे ?**

उत्तर- अंडों के बारे में केशव और श्यामा के मन में कई तरह के सवाल उठते थे कि अंडे कैसे हैं ? कितने बड़े हैं ? किस रंग के हैं ? उनमें से बच्चे कैसे निकलेंगे इत्यादि |

**प्रश्न 2 . बच्चे आपस में सवाल-जवाब करके अपने दिल को तसल्ली क्यों दे दिया करते थे ?**

उत्तर- बच्चे आपस में सवाल-जवाब करके अपने दिल को तसल्ली दिया करते थे क्योंकि उनके सवालों के ज़वाब देने के लिए अम्मा और बाबू जी के पास समय नहीं था |

**प्रश्न 3. श्यामा ने क्या सोचकर माँ से केशव की शिकायत की ?**

उत्तर- श्यामा ने सोचा कि केशव को उसकी गलती की सज़ा मिलनी चाहिए इसलिए उसने माँ से केशव की शिकायत की।

# दीर्घ प्रश्न :-

**प्रश्न 1 . केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दाना-पानी मँगाकर कार्निस पर क्यों रखे थे?**

उत्तर- कार्निस पर चिड़िया के अंडे थे। केशव ने श्यामा से चिथड़े मँगवाकर उनकी गद्दी बनाई और अंडों के नीचे रख दी | उन्हें धूप से बचाने के लिए टोकरी से छत बनाई | चिड़िया को दाना-पानी लाने के लिए दूर न जाना पड़े इसलिए दाना - पानी मँगाकर कार्निस पर ही रख दिया ।

**प्रश्न 2 . केशव और श्यामा ने चिड़िया के अंडों की रक्षा की या नादानी ?**

उत्तर- केशव और श्यामा ने चिड़िया के अंडों की रक्षा करने की नादानी की । चिड़िया अपने अंडों की रक्षा स्वयं कर सकती थी। चिड़िया ने सुरक्षित स्थान समझकर की कार्निस पर अंडे दिए थे | केशव और श्यामा ने अंडों की रक्षा करने के प्रयास में उन्हें छूकर गंदा कर दिया। उन्हें नहीं मालूम था कि यदि वे अंडों को छू लेंगे तो चिड़िया उन्हें गिरा कर नष्ट कर देंगी |